बौद्ध धर्म

☆ बिहार, "बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म" दोनो धर्मों की 'उद्गम' स्थल है।
- भगवान् बुद्ध का जन्म नेपाल स्थित 'लुम्बिनी नामक' स्थान पर 563 ई.पू. में हुआ था।
- महात्मा बुद्ध का बचपन का नाम - सिद्धार्थ
  पिता का नाम - शुद्धोधन
  माता का नाम - महामाया
  महात्मा बुद्ध की पत्नी का नाम - यशोधरा
  " पुत्र का नाम - राहुल

सिद्धार्थ जब कपिलवस्तु की सैर पर निकले तो उन्होने निम्न चार दृश्यों को क्रमशः देखा
① बूढ़ा व्यक्ति ② एक बीमार व्यक्ति ③ शव ④ संन्यासी

- 29 वर्ष की आयु में बुद्ध ने घर छोड़ दिया, इस घटना को "महाभिनिष्क्रमण" कहा जाता है।

- बुद्ध को गया में वैशाख पूर्णिमा के दिन फल्गु (निरंजना) नदी के किनारे एक 'पीपल के वृक्ष' के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।
- इस घटना को बौद्ध धर्म में संबोधि कहा जाता है।
- पीपल के उस वृक्ष को बोधिवृक्ष तथा (स्थान को 'बोधगया' नाम दिया गया।
- गौतम बुद्ध के दो गुरु हुए प्रथम 'आलारकलाम' और द्वितीय उद्रक (रुद्रकरामपुत्त)
- बुद्ध का पहला उपदेश "सारनाथ" में दिया, इस घटना को बौद्ध धर्म में "धर्मचक्रप्रवर्तन" कहा जाता है।

बुद्ध ने "चार आर्य सत्य" का प्रतिपादन किया
① संसार में दुःख ही दुःख है। ② दुःख का कारण है।
③ दुःख का निवारण संभव है ④ इसके लिए उपाय है।

Scanned by CamScanner

- बुद्ध ने दु:ख को दूर करने के लिए अष्टांगिक मार्ग बताया।
- बुद्ध को 'महापरिनिर्वाण' 80 वर्ष की आयु में 'कुशीनगर' नामक स्थान पर प्राप्त हुआ। (80 वर्ष की आयु में मृत्यु हुई)
- गौतम बुद्ध का प्रिय घोड़ा का नाम - 'कंथक'
  " सारथी - 'छन्न'
- बुद्ध ने सारनाथ में पाँच शिष्यों (आनन्द, उपालि, श्रेयपुत्र, मोगलाना और अश्वजीत) को दीक्षित किया।

- गौतम बुद्ध के निम्न राजा शिष्य थे।
  बिम्बिसार, अजातशत्रु, प्रसेनजीत, उदयन।
- गौतम बुद्ध को बोधगया जाते समय कौण्डिन्य रास्ते में मिला था और उनका मित्र हो गया।
- बुद्ध का मृत्यु "कुशीनार" में चुन्द द्वारा अर्पित भोजन करने के बाद 80 वर्ष की अवस्था में हो गई।

- बौद्ध में इसे 'महापरिनिर्वाण' कहा जाता है।
- बुद्ध की जन्म एवं मृत्यु की तिथि चीनी परम्परा के कैन्टोन अभिलेख के आधार पर निश्चित की गई।

बौद्ध धर्म के बारे में ज्ञान पाली त्रिपिटक से प्राप्त होता है।
1. विनय पिटक - इसमे संघ सम्बन्धी नियमों, दैनिक आचार विचार व विधि नियमो का संग्रह है।
2. सुत्त पिटक :- इसमे बौद्ध धर्म के सिद्धान्त व उपदेशों का संग्रह है।
3. अभिधम्म पिटक :- यह पिटक प्रश्नोत्तर क्रम में है और इसमे दार्शनिक सिद्धांतो का संग्रह है।

- बुद्ध ने "विश्व दु:खों से भरा है" का सिद्धान्त उपनिषद् से लिया है।

- बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं - बुद्ध, धम्म, एवं संघ।
- बौद्ध धर्म मे प्रवेश करने को "उपसम्पदा" कहा जाता है।
- बौद्ध धर्म अनीश्वरवादी है। इसमे आत्मा की परिकल्पना नहीं की गई है।
- बौद्ध ने अपना उपदेश "पाली भाषा" मे दिए हैं।
- बुद्ध ने अपना पहला धर्मोपदेश "सारनाथ" मे दिया था।
- बुद्ध ने दुःख से मुक्ति हेतु, "अष्टांगिक मार्ग" का अनुसरण करने के लिए कहा।

1, सम्यक दृष्टि, संकल्प, वाक, कर्मान्त, आजीविका, व्यायाम, स्मृति, सम्यक समाधि।

"बौद्ध महासंगीतियां"

संगीत	समय	स्थल	शासक	संगीति अध्यक्ष
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ई.पू.	सप्तपर्णी गुफा (राजगृह)	अजातशत्रु (हर्यक वंश)	महाकस्सप
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ई.पू.	चुल्लवग्ग वैशाली	कालाशोक (शिशुनाग वंश)	साबकमीर
तृतीय बौद्ध संगीति	251 ई.पू.	पाटलिपुत्र मगध की राजधानी	अशोक मौर्य वंश	मोग्गलिपुत्त तिस्स
चतुर्थ बौद्ध संगीति	प्रथम सदी ई. सन	कुण्डलवन (कश्मीर)	कनिष्क (कुषाण वंश)	वसुमित्र

Scanned by CamScanner

15 FRIDAY APRIL

हीनयान

- बौद्ध धर्म दो शाखाओं में विभक्त हो गया - हीनयान एवं महायान
- कनिष्क के शासन काल में महायान शाखा का मान्यता प्राप्त हुई

1- हीनयान महात्मा बुद्ध द्वारा स्थापित मूल बौद्ध धर्म था।
2- हीनयान बुद्ध के उपदेशों को मानता था।
3- हीनयान का उद्देश्य व्यक्ति विशेष को निर्वाण प्राप्त कराना था।
4- हीनयान एक दार्शनिक सिद्धान्त है।
5- हीनयान में बुद्ध को एक महापुरुष समझा जाता था।
6- हीनयान में मूर्ति उपासना नहीं था।
7- हीनयान में पालि भाषा प्रयोग किया जाता था।
8- हीनयान के बोधिसत्वों में विश्वास न था।
9- हीनयान निर्वाण पर बल देता था।

106-259

16 SATURDAY APRIL

महायान

1- महायान हीनयान का संशोधित रूप है।
2- महायान - बुद्ध की शिक्षाओं के अतिरिक्त बोधिसत्वों की शिक्षाएं भी निहित है।
3- महायान का लक्ष्य सम्पूर्ण विश्व को निर्वाण दिलाना था।
4- महायान एक धर्म है।
5- महायान में बुद्ध को देवता का प्रतिरूप समझा जाता है।
6- महायान में मूर्ति पूजा की जाती थी।
7- महायान संस्कृत भाषा को अपना माध्यम बनाया।
8- महायान बोधिसत्वों में विश्वास रखता है।

17 SUNDAY

9- महायान गृहस्थ जीवन पर बल देता था।

- थेरवाद, विज्ञानवाद, वज्रयान, बौद्ध धर्म से सम्बन्धित है।
- थेरगाथा तथा थेरीगाथा बौद्ध साहित्य के प्रसिद्ध ग्रन्थ है जिनमे बौद्ध भिक्षुओं तथा भिक्षुणियों का अनुभव वर्णन किया गया है।
- थेरगाथा मे बौद्ध भिक्षुओं का अभिलेख का वर्णन है, जिन्होंने परमपद प्राप्त किए।
- थेरीगाथा मे अधिकतर उन भिक्षुणियों का अनुभवों का वर्णन है- जो बुद्ध के समकालीन थे।
- बौद्ध साहित्य में जातकों का स्थान सर्वप्रमुख है।
- जातको मे बुद्ध के पूर्व जन्म की गाथा है।
- भारत के बाहर बौद्ध धर्म क्रमशः प्रचलित हुआ था - चीन, कोरिया, जापान व तिब्बत मे।